अन्य गतिविधियाँ

आपातकालीन प्रबंध

आपातकालीन प्रबंध वर्ग पऊवि के वरिष्ठ अधिकारी की स्थायी समिति है, जो लोक क्षेत्र में न्यूक्लियर अथवा विकिरणीय आपात को विभाग की जिम्मेदारियों के साथ समन्वयित करती है।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि आपात योजनाएं हमेशा पूरी तरह मुस्तैद रहती हैं, मुख्य न्यूक्लियर सुविधाओं जैसे कि परमाणु बिजजीघरों एवं हाइड्रोजन सल्फाइड आधारित भारी पानी संयंत्रों, में विभिन्न आपातकालीन अभ्यास किए जाते हैं।

प्रौद्योगिकी हस्तांतरण एवं सहयोगात्मक कार्यक्रम

रिपोर्ट अवधि के दौरान भापअकेंद्र से विभिन्न प्रौद्योगिकियाँ उद्योगों को हस्तांतरित की गईं। इसमें अल्ट्रा फिल्टरेशन पॉली सल्फोन मेम्ब्रेन पर आधारित ऑनलाइन डोमेस्टिक वॉटर प्यूरीफायर, निसर्ग ऋण, बायोग्रेडेबल अपशिष्ट आधारित बायो गैस संयंत्र, भूमि जल हेतु एफडीके-फ्लूरॉइड डिटेक्शन किट, लास्कन डायागेज प्रौद्योगिकी, ऑप्टिकल पालिशिंग अनुप्रयोगों हेतु नेनो-साइज सिरिया पावडर का उत्पादन, हाइड्रोलिक लिफ्ट हेतु ऐक्सीलरेशन एवं डेसिलिरेशन एवं नियंत्रण वॉल एवं सर्किट शामिल हैं।

औद्योगिक प्लाज्मा प्रौद्योगिकी हेतु सुविधा केंद्र, अहमदाबाद में मेडिकल एवं प्लास्टिक अपशिष्ट हेतु प्लाज्मा पायरोलेसिस प्रौद्योगिकी विकसित की और प्रदर्शित की।

पऊवि अनुसंधान केंद्रों से उद्योगों से संबंधित अ-विनाशी परीक्षण, स्ट्रेस मापन, ध्वनिक टोपोग्राफी, सामग्री अभिलक्षण एवं अन्य तकनीकी सेवाएं देता है।

भापअकेंद्र में टीएलडी आधारित पर्सनल मॉनिटरिंग सेवाओं के लिए एक प्रयोगशाला स्थापित की। इस केंद्र ने एक नैदानिक प्रणाली भी विकसित की। इस तकनीक को कार्यान्वित किया गया और न्यूक्लियर एवं थर्मल विद्युत संयंत्र में वैधीकरण किया।

भापअकेंद्र द्वारा कुल 25 समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित हुए। इसमें चैनल हीट-अप परीक्षण निम्न ताप वाष्प विलवणीकरण पर तकनीकी परामर्श, इलेक्ट्रॉन बीम वेल्डिंग अनुप्रयोगों हेतु प्रदर्शन यूनिट की स्थापना, मुंगफली की न्यूक्लियर/ब्रीडर बीजों की आपूर्ति, अलार्म एन्यूसियेसन प्रणाली का विनिर्माण एवं बल्क इनक्रिप्शन यूनिट शामिल है।

बौद्धिक संपत्ति संरक्षण

वर्ष 2004-05 में दौरान (28.02.04 तक) पऊवि बौद्धिक संपत्ति अधिकार सेल ने 6 भारतीय आवेश्नों, पेटेंट को-आपरेशन ट्रीटी (पीटीटी) के तहत 4 अंतर्राष्ट्रीय आवेदनों, यूरोप में 2 आवेश्नों, यूएसए में 1 आवेदन एवं जापान में 1 आवेदन सहित कुल 14 पेटेंट आवेदन फाइल किये। इसी अवधि के थैरान भारत में पेटंटों के नियंत्रक ने पहले से फाइल आवेदनों के आधार पर 9 पेटेंट प्रथन कर दिए हैं जबकि यूएसपीटीओ द्वारा 1 एवं आस्ट्रेलियन पेटेंट ऑफिस द्वारा 1 पेटेंट प्रथन किया गया है। अब तक, परमाणु ऊर्जा विभाग ने पीसीटी और नैशनल फेज सहित कुल 151 पेटेंट आवेदन फाइल किए हैं और अब तक 61 प्रदान कर दिए गए हैं तथा इनमें से 24 लागू भी हो गए हैं। इस वर्ष ट्रेडमार्क रजिस्ट्री में भी 49 ट्रेडमार्क आवेदन फाइल किए गए हैं।

अंतर्राष्ट्रीय संबंध

भारत ही अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा अधिकरण (आईएईए) के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स (बीओजी) का पद नामित सदस्य रहा है और एजेंसी के नीति प्रबंधन एवं कार्यक्रम में सक्रिय भाग लेता है।

भारत विदेशी वैज्ञानिकों को प्रशिक्षण सुविधाएं, शिक्षा वृत्तियां, वैज्ञानिक दौरे आदि उपलब्ध कराता रहा और जिन देशों के साथ भारत ने परमाणु ऊर्जा के शांति पूर्ण उपयोगों के क्षेत्र में सहयोग हेतु द्विपक्षीय करार किए हैं, उन देशों तथा आईएईए के माध्यम से अन्य देशों को विशेषज्ञता वाले क्षेत्रों में अपने वैज्ञानिकों की सेवाएं उपलब्ध कराता रहा।भारत से लगभग 753 भारतीय वैज्ञानिकों और 490 विदेशी वैज्ञानिकों ने आईएईए एवं विभिन्न राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के तत्वाधान में भारत में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, सम्मेलनों और बैठकों में भाग लिया।

स्वामित्व सम्बन्धी ब्यौरा

प्रकाशन का स्थान : परमाणु ऊर्जा विभाग छत्रपति शिवाजी महाराज मार्ग, मुम्बई-400 001

आवृति, प्रकाशक का नाम, राष्ट्रीयता तथा पता : त्रैमासिक, रवींद्र कुमार भटनागर, भारतीय, परमाणु ऊर्जा विभाग, छत्रपति शिवाजी महाराज मार्ग, मुम्बई-400 001

मुद्रक का नाम, राष्ट्रीयता तथा पता : रवींद्र कुमार भटनागर, भारतीय, परमाणु ऊर्जा विभाग, छत्रपति शिवाजी महाराज मार्ग, मुम्बई-400 001

सम्पादक का नाम राष्ट्रीयता तथा पता : रवींद्र कुमार भटनागर, भारतीय, परमाणु ऊर्जा विभाग, छत्रपति शिवाजी महाराज मार्ग, मुम्बई-400 001

स्वामी का नाम तथा पता : भारत सरकार, परमाणु ऊर्जा विभाग, छत्रपति शिवाजी महाराज मार्ग, मुम्बई-400 001

मैं, रवींद्र कुमार भटनागर, घोषित करता हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सही हैं।

हस्ताक्षर,
रवींद्र कुमार भटनागर

आर.के. भटनागर, प्रमुख, प्रकाशन प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार, मुंबई-400 001 द्वारा संपादित व प्रकाशित तथा उनके द्वारा ही राज प्रिंटर्स, मुंबई-400 031 में मुद्रित